वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 205 शनिवार 22 नवम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन 2025 का हुआ भव्य आगाज

पुलिस में डाटा बेस कन्फर्मेशन की सख्त आवश्यकता: गुप्ता

उत्कृष्टता की ओर राजस्थान पुलिस का रोडमैप बनेगा राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन 2025

जयपुर. कासं

राजस्थान पुलिस अकादमी में शुक्रवार का दिन पुलिसिंग की दृष्टि से बड़ा महत्वपूर्ण रहा। शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में 'उत्कृष्टता के साथ पुलिसिंग-आगे की राह' विषय पर राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन का आयोजन किया गया। आज इस सम्मेलन से ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड पर राजस्थान के 600 पुलिस अधिकारी जुड़े और आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरे दिन तकनीकी नवाचारों, सामाजिक सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर मंथन किया। राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन 2025 के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि अनिल पालीवाल महानिदेशक पुलिस, प्रशिक्षण एवं यातायात रहे। सत्र के प्रारम्भ में महानिदेशक/ महानिरीक्षक पुलिस, सम्मेलन की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि व उसके मुख्य मुद्दों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। तत्पश्चात् संजीव कुमार नार्जारी, निदेशक राजस्थान पुलिस अकादमी द्वारा सम्मेलन का परिचय व अतिथियों का स्वागत कर उदबोधित किया। गोविन्द गुप्ता, महानिदेशक पुलिस एसीबी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुलिस के प्रत्येक व्यक्ति को बदलते परिपेक्ष्य के अनुसार दक्ष होने की आवश्यकता है और पुलिस नवाचारों हेतु सदैव कार्य करें व कुशलता बढ़ायें। आज पुलिस में डाटा बेस कन्फर्मेशन की सख्त आवश्यकता है। मालिनी अग्रवाल, महानिदेशक, पुलिस महानिदेशक एवं कमाण्डेन्ट जनरल गृह रक्षा ने कहा कि सम्मेलन में एक साथ चर्चा होने पर विषय वस्तु में हम अद्यतन होते हैं। तकनीक का सहारा ले रहे अपराधियों का सामना करने के लिए पुलिस भी अपडेट हो चुकी है तथापि क्षेत्र अनुसार अलग-अलग कान्फ्रेन्स की जाकर रणनीति बनाई जानी चाहिए।

रणनीति के तहत पुलिसिंग करने पर बल दिया

सम्मेलन के मुख्य अतिथि अनिल पालीवाल महानिदेशक पुलिस, प्रशिक्षण एवं यातायात, ने अपने उद्बोधन में सम्मेलन की विषय वस्तु की विशेषताओं और अपराध के वर्तमन परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुये श्रीमद्भगवतगीता के उद्दरण इच्छति – जानति – करोति की महता पर बल दिया व नये व पुराने तरीकों को समायोजित करते हुये तकनीकों एवं मानवीय पहलुओं में सामन्जस्य रखते हुये नये आपराधिक कानूनों के महत्वपूर्ण प्रावधानों, विशेष रुप से सम्पत्ति संबंधी एवं जालसाजी अपराधों के विशेष प्रावधानों, एआई, चैट जीपीटी, डीप फेक एण्ड इन्टरनेट ऑफ थिंग्स विकनेस, ऑपोरच्यूनिटी एवं थ्रेट के विषय के रूप में जानकारी साझा करना, महिलाओं, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों के विरूद्ध अपराधों, प्रतिक्रिया तन्त्र को मजबूत करने, मामलों की प्रभावी जांच और समय पर न्याय सुनिश्चित करने व सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबन्धन तथा मृत्यु दर कम करने की रणनीति के तहत पुलिसिंग करने पर बल दिया।

चार दिवसीय फोरहेक्स फेयर 2025 की हुई भव्य शुरूआत

फोरहेक्स फेयर का 11वां संस्करण भारत की उत्कृष्ट शिल्प परंपरा को समर्पित: उतमानी

जयपुर. कासं। चार दिवसीय हैंडीक्राफ्ट्स फेयर फोरहेक्स फेयर 2025 की जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में शुक्रवार को भव्य शुरूआत हुई। जयपुर की कला और संस्कृति को बढ़ावा देने तथा लोगों में हस्तशिल्प की समृद्ध विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित यह 11वां संस्करण डेवलपमेंट कमिश्नर (हैंडीक्राफ्ट), मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल्स, भारत सरकार, ईपीसीएच (एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स), एमएसएमई द्वारा पीएमएस योजना तथा आईईएमएल (इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट लिमिटेड) के द्वारा प्रायोजित है। यह बहुप्रतीक्षित फेयर 24 नवंबर तक चलेगा। फोरहेक्स फेयर का उद्घाटन मुख्य अतिथि गोपाल शर्मा, विधायक, सिविल लाइंस द्वारा किया गया। कार्यक्रम में रजत वर्मा, एडी-डीसी (हैंडीक्राफ्ट), मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल्स, भारत सरकार विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में रवि उतमानी, प्रेसिडेंट-फोरहेक्स, अतुल पोद्दार, फेयर कन्वीनर और सुनीत जैन, प्रेसिडेंट फोरहेक्स फेयर भी मौजूद रहे। इस अवसर पर फोरहेक्स के प्रेसिडेंट रवि उतमानी ने कहा, फोरहेक्स फेयर का 11वां संस्करण भारत की उत्कृष्ट शिल्प परंपरा को समर्पित है। हमारा उद्देश्य कारीगरों को ऐसा मंच प्रदान करना है जहां उनकी कला, रचनात्मकता और सांस्कृतिक पहचान पूरी शक्ति के साथ उभरकर सामने आए, साथ ही उन्हें वास्तविक खरीदारों और सार्थक बाजार अवसरों से जोड़ने का मार्ग भी प्रशस्त हो।

श्री सिद्धचक्र विधान के समापन पर महायज्ञ एवं रथयात्रा का हुआ भव्य आयोजन

मुरैना (मनोज जैन नायक)

सिद्धचक्र महामंडल विधान के समापन की वेला में विश्व शांति एवं कल्याण की पावन भावना के साथ महायज्ञ कर भव्य एवं विशाल रथ यात्रा निकाली गई। श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के विधानाचार्य पंडित राजेंद्र शास्त्री मंगरोनी ने बताया कि निरंतर आठ दिनों तक सिद्धों की आराधना पूजा भक्ति के पश्चात अंतिम दिन महायज्ञ एवं रथयात्रा के पावन अवसर पर जैन मंदिर में उल्लासपूर्ण, भक्तिमय जैसा वातावरण था। विधान में सिद्धों की आराधना करने वाले समस्त इंद्र इंद्राणी, श्रावक श्राविकाएं अपने विशेष परिधान में हार मुकुट से सुसज्जित महायज्ञ के कुण्डों के इर्द गिर्द बैठकर मंत्रों के साथ विश्व शांति एवं कल्याण की भावना के सहित कुंडों में आहुति दे रहे थे। महायज्ञ में सुगंधित धूप, घी एवं जड़ी बूटियों की आहुति से उत्पन्न सुगंधित धुएं से मंडप में विराजमान श्रद्धालु आनंदित महसूस कर रहे थे।

विशाल एवं भव्य रथयात्रा ने किया नगर भ्रमण

महायज्ञ के पश्चात निर्यापक श्रमण मुनिश्री विलोकसागर महाराज एवं मुनिश्री विवोधसागर महाराज के पावन सान्निध्य में विशाल एवं भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। सर्वप्रथम श्री जिनेंद्र प्रभु की प्रतिमा को रथ पर विराजमान किया गया। बैंडबाजों व घोड़ा बग्घी के साथ बड़े जैन मंदिर से रथ यात्रा प्रारंभ शंकर बाजार, महादेव नाका, स्टेशन रोड, हनुमान चौराहा, सराफा बाजार, लोहिया बाजार भ्रमण करती हुई बड़े जैन मंदिर पहुंची। भव्य शोभा यात्रा में युगल मुनिराज श्री जिनेंद्र प्रभु के रथ के आगे आगे चल रहे थे। तीन लोक के नाथ के रथ को युवा साथी अपने हाथों से खींच रहे थे। शोभायात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्री जी की आरती एवं पूज्य युगल मुनिराजों का पाद प्रक्षालन कर भव्य अगवानी की गई। भव्य शोभायात्रा में आगे आगे चल रहीं घोड़ा बग्गियों में सिद्धचक्र विधान के विशेष इंद्र इंद्राणी विराजमान थे। बड़े जैन मंदिर में प्रतिष्ठाचार्य पंडित राजेंद्र शास्त्री मंगरोनी के निर्देशन में स्वर्ण कलशों द्वारा श्री जी का जलाभिषेक किया गया। कलशों से निकली जलधारा जैसे ही जिनेंद्र प्रभु के सिर पर आई, वैसे ही पूरा पंडाल करतल ध्वनि के साथ भगवान की जय जयकार करने लगा। सभी उपस्थित साधर्मी बंधुओं माताओं बहिनों ने श्री जिनेंद्र प्रभु की आरती कर पुण्यार्जन किया। कार्यक्रम के समापन पर पुण्यार्जक परिवार की ओर से वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया।

पुण्यार्जक परिवार ने प्रभु एवं युगल मुनिराजों से की क्षमा याचना

महायज्ञ से पूर्व प्रातःकालीन वेला में श्री जिनेंद्र प्रभु का अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन किया गया। महायज्ञ एवं रथयात्रा के साथ ही आठ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का समापन हुआ विधान समापन पर सभी विधानकर्ताओं ने श्री जिनेंद्र प्रभु एवं युगल मुनिराजों के श्री चरणों में विधान के दौरान जाने अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा याचना की। समारोह के समापन पर विधान पुण्यार्जक परिवार कैलाशचंद राकेश जैन शानू जैन पुणारावत परिवार दिल्ली की ओर से प्रतिष्ठाचार्य पंडित राजेंद्र शास्त्री मंगरोनी, बाहर से आए हुए अतिथियों, पुजारीगण एवं भजन गायक व संगीतकार नीलेश जैन सागर का बहुमान किया गया।

निर्यापक श्रमण मुनिश्री विलोकसागरजी का उद्बोधन

श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के समापन पर निर्यापक श्रमण मुनिश्री विलोकसागरजी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पाप कर्म किसी पर दया नही करता, वह अपना काम करके ही रहता है। कोई भी हो चाहे वह राजा हो, मंत्री हो, करोड़पति हो, भिखारी हो, पापकर्म बांधते समय आनंदित होता है, लेकिन जब उसका परिणाम भुगतता है तो उसकी सारी हेकड़ी निकल जाती है। शुरू शुरू में जब कोई व्यक्ति पाप करता है तो वह अपने आप को असहज महसूस करता है, पुनः पाप करते समय वह अपने आप को सहज महसूस करता है, फिर पाप करने में वह पाप की उपेक्षा करता है, पाप को नजर अंदाज करता है और पुनः पुनः बार पाप करने पर वह आनंद मनाता है अर्थात वह निर्लज्ज बन जाता है इसके बाद में जब भी वह पाप करता है तब वह अपने आप को बहादुर समझने लगता है। जैसे जैसे पाप के संस्कार गहरे होते जाते है, तब उसे पाप करने में आनंद आता है और पाप करने में कोई दोष नजर नहीं आता है। यदि कोई उसे समझाता है तो वह समझने वाले को ही मूर्ख समझता है। वह समझते हैं कि इसमें बुराई क्या है, यह तो मेरे पुण्य का फल है। परन्तु जब पुण्य क्षीण होता है और पाप का उदय होता है तब उनकी सारी अकड़ निकल जाती है। क्योंकि पाप किसी पर भी दया नहीं करता हैं।

दहमी कला मे वेदी प्रतिष्ठा विश्व शांति महायज्ञ 21 से 23 तक

जयपुर. शाबाश इंडिया। वेदी प्रतिष्ठा का प्रथम दिवस घट यात्रा ओर झंडारोहण से हुई कार्यक्रम की शुरूआत। आचार्यश्री नवीन नंदी गुरुदेव मुक्ति प्रभामती माताश्री जी के सानिध्य मे वेदी प्रतिष्ठा समारोह आज प्राचीन ऋषभ देव मंदिर मे शुरू हुआ। अध्यक्ष कुलदीप चौधरी बगरू, महामंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया कार्यक्रम की शुरूआत ऋषभ देव भगवान के अभिषेक व शाति धारा से हुई। बाद मे महिला मंडल ने घट यात्रा मंदिर से कार्यक्रम स्थल तक निकाली। श्रावक नंद किशोर प्रमोद पहाड़िया परिवार ने झंडारोहण किया। आज के कार्यक्रम मे ध्वजारोहण, घट यात्रा, मंडप शुद्ध, हुआ। तीन दिन के कार्यक्रम मे आज वास्तु विधान का आयोजन पंडित डा.विमल कुमार जैन के सानिध्य मे किया गया। प्रदीप जैन ने बताया कार्यक्रम मे सौधर्म ईन्द्र कुलदीप मधु चौधरी बगरू, कुबेर महावीर सुशीला पाटनी, यज्ञ नायक प्रमोद प्रिया बाकलीवाल ने पूजन की अर्घ चढ़ाए। इस भव्य आयोजन मे बगरू, मान सरोवर, हीरा पथ सहित जयपुर के श्रद्धांलु भक्तों ने भाग लिया।

शास्त्रि- परिषद् की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न, लिए गए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय

श्रेष्ठी संतोष जैन घड़ी को परिषद ने श्रावक शिरोमणि की उपाधि से किया अलंकृत

ललितपुर. शाबाश इंडिया

अ.भा.दि, जैन शास्त्रि-परिषद् की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की एक बैठक दिनांक 19-20 नवम्बर 2025 को इळक्क्ष्ठ (बीटीआईआरटी) प्रांगण शांतिनाथ धाम सिरोंजा सागर (म.प्र.) में चर्या शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी की सन्निधि में होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत की अध्यक्षता में आहूत की गयी । 19 नवंबर को रात्रि 8 बजे से डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत की अध्यक्षता में बी.टी.आई.आर.टी के सभागार में आयोजित कार्यकारिणी बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमें श्रवणबेलगोला में महामस्तकाभिषेक के अवसर पर आयोजित विद्वत संगोष्ठी के आलेखों का प्रकाशन, शास्त्रि-परिषद् का विद्वत अभिनंदन ग्रंथ प्रकाशन, शास्त्रि-परिषद् की बेवसाइड व सदस्यता सूची अपडेट, सोशल मीडिया के सदुपयोग आदि महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। संचालन महामंत्री ब्र. जयकुमार निशांत जी ने किया। इस मौके पर शान्तिधाम पंचकल्याणक महोत्सव के पुण्यार्जक , शास्त्रि-परिषद् के संरक्षक श्रेष्ठी संतोष घड़ी सागर ने सभी विद्वानों का पगड़ी, तिलक, माला द्वारा सम्मान किया। 20 नवम्बर को दोपहर में पंचकल्याणक महोत्सव के मंच से कार्यकरिणी बैठक का आयोजन हुआ। सभी विद्वानों ने चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज को श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद ग्रहण किया, महोत्सव समिति ने सभी विद्वानों का सम्मान किया। इस मौके पर परिषद के अध्यक्ष डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत ने कहा कि अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि-परिषद् दिगम्बर जैन परम्परा में देव-शास्त्र-गुरु, जैनधर्म, दर्शन और संस्कृति के संरक्षण तथा दिगम्बर जैन आर्षमार्गीय साहित्य के प्रकाशन एवं प्रचार-प्रसार में समर्पित आर्ष परम्परा के अनुयायी विद्वानों की एक जागरुक संस्था है। परिषद के महामंत्री ब्र. जय निशांत जैन ने शास्त्रि-परिषद् की गतिविधियों की जानकारी दी। डॉ नरेन्द्र कुमार जैन टीकमगढ़, पंडित विनोद कुमार जैन रजवांस, पंडित जयंत जैन सीकर, पंडित राजकुमार शास्त्री सीकर, डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर ने अपने सम्बोधन में शास्त्रि-परिषद् के इतिहास व कार्यों की जानकारी दी। संचालन डॉ आशीष जैन आचार्य सागर ने किया। इस मौके पर परिषद के अध्यक्ष डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, उपाध्यक्ष डॉ नरेन्द्र कुमार जैन टीकमगढ़, पंडित विनोद कुमार जैन रजवांस, पंडित पवन दिवान मुरैना, पंडित जयंत जैन सीकर, महामंत्री ब्र. जयकुमार निशान्त टीकमगढ़, संयुक्त मंत्री डॉ आशीष जैन आचार्य सागर, प्रचार मंत्री डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर, कार्यकारिणी सदस्य पंडित राजकुमार शास्त्री सीकर, पंडित दिनेश जैन भिलाई उपस्थित रहे। बीटीआईआरटी सागर के प्रमुख श्रावक श्रेष्ठी श्री संतोष घड़ी ने बताया कि विद्वानों का समागम प्राप्तकर हमें अत्यधिक प्रसन्नता हुई।

शास्त्रि-परिषद के संरक्षक श्रावक शिरोमणि उपाधि से अलंकृत : इस मौके पर अ.भा.दि, जैन शास्त्रि-परिषद् ने परिषद के संरक्षक श्रेष्ठी श्री संतोष जैन घड़ी का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के विशाल मंच से श्रावक शिरोमणि की उपाधि से अलंकृत उन्हें प्रशस्ति-पत्र, शाल, श्रीफल, माला, तिलक के द्वारा सम्मानित किया। इस मौके पर सकल दिगम्बर जैन समाज सागर सहित अनेक संस्थाओं ने भी प्रशस्ति-पत्र भेंटकर अनेक उपाधियों से श्रेष्ठी संतोष घड़ी को अलंकृत किया तथा उनके द्वारा कराए गए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव को ऐतिहासिक बताया।

बुलेटिन भेंट की : शास्त्रि-परिषद् की बुलेटिन पत्रिका का आचार्य श्री विशुद्धसागर विशेषांक मध्यप्रदेश सरकार के भूतपूर्व केबिनेट मंत्री व वर्तमान विधायक माननीय गोपाल भार्गव व श्रेष्ठी संतोष जैन घड़ी को शास्त्रि-परिषद् के पदाधिकारियों व संपादक द्वारा भेंट किया गया।

डॉ सुनील जैन संचय, ललितपुर
प्रचारमंत्री,शास्त्रि-परिषद्

नसीराबाद नगर का स्थापना दिवस समारोह

नसीराबाद (रोहित जैन)

श्री युवक पठनालय परिवार द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी नगर का 208 वां स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। संस्था के महामन्त्री राजेन्द्र राठी ने बताया कि समारोह छावनी वैरिड बोर्ड सदस्य सुशील गदिया के मुख्य आतिथ्य, प्रवीण चंद गदिया की अध्यक्षता व डॉ. विनायक गौड़ के विशिष्ट आतिथ्य में मनाया गया जिसमें कविवर सर्वेश्वर गार्गिया, वीना गर्ग, बेकस अजमेरी, रामावतार यादव, रोशन परिहार व संजय मेहरा आदि ने ओजस्वी प्रस्तुतियों से दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। विष्णु प्रकाश जिंदल ने नगर के इतिहास से रुबरू कराया। इस पुनीत मौके पर सेवाकार्यों में सतत गतिशील भारत विकास परिषद, सेवा भारती, नृसिंह गौशाला, श्री परमार्थ वैश्य औषधालय, श्री जन सेवा समिति व रोटरी क्लब आदि सामाजिक संस्थाओं सहित समस्त कविगणों तथा नगर के प्रबुद्ध पत्रकारगणों का अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर पं कैलाश चंद शर्मा, पवन सेठी, रवि सोनी, प्रदीप मित्तल, लक्ष्मण सैनी, चन्द्र प्रकाश बंसल, बृजमोहन शर्मा व गजानन्द शर्मा सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। अन्त में अध्यक्ष प्रवीणचंद गदिया व राजेन्द्र राठी ने आयोजन की सफलता हेतु समस्त कविगणों व पत्रकारगणों सहित उपस्थित महानुभावों का आभार प्रकट कर भविष्य में अधिकाधिक सामाजिक आयोजनों हेतु प्रयास करने का आव्हान किया।

वेद ज्ञान

जीवन के साथ समस्याएं भी

हमने लोगों को जीवन में आने वाली समस्याओं से अक्सर यह कहकर जूझते देखा है कि वे जल्दी से जल्दी सभी समस्याओं से मुक्त होकर जीना चाहते हैं। समस्याओं से संघर्ष की यह आशावादी दास्तान है तो ठीक, क्योंकि एक तो यह लड़ने का हौसला बनाए रखती है और दूसरे यह इंसान को समस्यामुक्त भविष्य के सपने देखने देती है। इस दृष्टिकोण के चलते इंसान जीवन में न तो थकता है और न ही हार मानता है, वह हर समस्या को अंतिम मानकर पूरी शिद्दत से लड़ रहा होता है। एक दूसरा नजरिया भी है जो मानकर चलता है कि जब तक जीवन है तब तक समस्या और संघर्ष हैं, इसलिए ऐसी कल्पना करना ही अव्यवहारिक है कि एक न एक दिन इंसानी जीवन परेशानियों से पूर्णतः मुक्त हो जाएगा। जीवन में समस्याओं को इंसानी शरीर से तुलना करके समझा जा सकता है। इंसान के शरीर में कुछ न कुछ अप्रिय हर समय घट रहा होता है। ऐसा शायद ही कोई समय हो, जब इंसान के शरीर में कोई व्याधि न हो। किसी न किसी प्रकार की छोटी या बड़ी व्याधि इंसानी शरीर में होना आम बात है। व्याधियों से जूझते इंसान के मन में यह आना स्वाभाविक होता है कि अमुक व्याधि आखिरी है और इसके बाद शरीर पूरी तरह व्याधिरहित हो जाएगा। ऐसी भावना इंसान का हौसला तो बढ़ाती है, लेकिन एक के बाद दूसरी व्याधि या समस्या के आने से उसे झटका भी देती है, जो कि सिर्फ हमारी समझ के कारण होता है। हम जीवन में यह समझ कर चल रहे होते हैं कि आखिरकार एक समय व्याधि या समस्यारहित आएगा, जो कि आता नहीं है। यह तो इंसान का हौसला बनाए रखने का एक सांसरिक तरीका भर है। इसलिए इंसान को अपने दिल और दिमाग में यह बैठाकर रखना चाहिए कि व्याधियों और समस्याओं का आवागमन जीवन भर चलता रहेगा, उसे तो बस उनसे जूझने की इच्छाशक्ति दृढ़ रखने की जरूरत है। अब जब इंसान मानसिक तौर पर तैयार होकर बैठ ही गया है किसी भी व्याधि या समस्या से निपटने के लिए तो एक तो उसे नई समस्या या व्याधि के आने से कोई झटका नहीं लगेगा और दूसरे हो सकता है कि उसकी इस आत्मविश्वास रूपी तैयारी के चलते कोई परेशानी उसके जीवन में आए ही नहीं, जैसे कि चोर संतरी को मुस्तैद देखकर उस घर में घुसने की हिमाकत ही न करे।

संपादकीय

राग अलापने से नहीं धरातल पर काम से बदलाव

बिहार विधानसभा चुनाव इस बार केवल एक राज्य का चुनाव नहीं था, यह भाजपा-एनडीए के लिए प्रतिष्ठा का, और महागठबंधन के लिए राजनीतिक अस्तित्व का प्रश्न बन चुका था। महागठबंधन की स्थिति यह थी कि उसे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन तक को मंच पर बुलाना पड़ा, भले ही उनके भाषण का बिहार की जनता पर क्या प्रभाव पड़ा, यह अलग मुद्दा है। राहुल गांधी के सलाहकारों को लगता था कि बिहार का चुनाव उनके परिपक्व नेतृत्व को स्थापित करने का सर्वोत्तम अवसर है। वे चाहते थे कि राहुल को राष्ट्रीय नेतृत्व के योग्य सिद्ध किया जाए। इसी कोशिश में राहुल गांधी जौहड़ में उतरकर मछली पकड़ते भी दिखे, ताकि वे 'बिहार की मिट्टी से जुड़े' नजर आएं।

लेकिन इन सबके बीच वे लगातार 'वोट चोरी' का आरोप लगाते रहे, आरोप जो बिहार की जनता को अप्रासंगिक और खोखला लगा। चुनाव आयोग मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया में लगा था, जबकि राहुल गांधी इसे साजिश बताने में व्यस्त थे। राहुल गांधी के सलाहकारों की तरह ही महागठबंधन के दूसरे चेहरे तेजस्वी यादव की रणनीति भी धरातल से कटी हुई थी। लालू परिवार के राजनीतिक इतिहास में यह बात स्पष्ट रही है कि लालू यादव अपनी विरासत छोटे बेटे तेजस्वी को सौंपना चाहते थे। इसी कारण उन्हें प्रारंभिक शिक्षा तक पूरी करने का अवसर नहीं मिला। लालू यादव बढ़ती उम्र, अदालत के मामलों और जेल के भय से घिरे हुए हैं, इसलिए उन्हें गठबंधन दलों को मनमानी सीटें और वादे देने पड़े। निषाद समाज के वोट के लिए मुकेश साहनी को उपमुख्यमंत्री पद का आश्वासन तक देना पड़ा। कांग्रेस भी 61 सीटें लेकर बैठ गई, चाहे उसके पास इतने योग्य प्रत्याशी ही क्यों न हों। लालू यादव को अनुमान था कि तेजस्वी अपनी शक्ति के बल पर चुनाव नहीं जीत पाएंगे, इसलिए उन्हें महागठबंधन के सभी घटकों को भारी कीमत चुकानी पड़ी लेकिन जब रणनीति तय करने की बारी आई, तो महागठबंधन विकल्पहीन दिखा। राहुल गांधी लगातार 'वोट चोर' राग अलापते रहे, जबकि बिहार की जनता लालू-राबड़ी के जंगलराज में मतदान केंद्रों पर पेटियाँ उठाए जाते हुए देख चुकी है। इसलिए यह आरोप उलटा पड़ गया। तेजस्वी ने राहुल गांधी के राग से दूरी तो बनाई, लेकिन उनकी अपनी रणनीति भी कमजोर थी। लालू यादव ने अपना पोस्टर लगाने से भी मना किया, क्योंकि इससे जंगलराज की यादें जगतीं। तेजस्वी ने नीतीश कुमार की सेहत को मुद्दा बनाया, जबकि उनके अपने पिता लालू यादव स्वास्थ्य कारणों से ही जेल से बाहर हैं। यह सवाल तेजस्वी के ही खिलाफ चला गया। इन सबके बीच तीसरा मोर्चा प्रशांत किशोर उर्फ 'पीके' का भी चुनाव मैदान में उतरा। वर्षों तक विभिन्न दलों को चुनावी 'फॉर्मूले' बेचने के बाद उन्हें स्वयं भ्रम हो गया था कि वे नेताओं को जीताते नहीं, बल्कि जीत का कारण वही खुद हैं। यही भ्रम उन्हें मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा तक ले आया, परंतु जनता ने उनके 'जादू' को स्वीकार नहीं किया। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बिहार विधानसभा चुनाव के संकेत

प्रहलाद सबनानी

हाल ही में सम्पन्न बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं और भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। कुल 243 में से 202 सीटें जीतकर गठबंधन ने रिकॉर्ड बहुमत प्राप्त किया है। सामान्यतः विधानसभा चुनावों में स्थानीय मुद्दे प्रभावी रहते हैं, परंतु हाल के वर्षों में कई राज्यों में यह प्रवृत्ति उभरकर सामने आई है कि जो दल जनता को अधिक आकर्षक मुफ्त योजनाएं देता है, वही अधिक सफलता प्राप्त करता है। इस प्रवृत्ति की शुरूआत वर्ष 2013 के दिल्ली विधानसभा चुनाव से मानी जा सकती है, जब नवनिर्मित आम आदमी पार्टी ने 28 सीटें जीतकर मुफ्त बिजली जैसी योजनाओं के दम पर सत्ता में प्रवेश किया। आगामी वर्षों में भी दिल्ली में इसी प्रकार की घोषणाओं के कारण पार्टी की पकड़ मजबूत होती गई, जबकि राज्य का बजट अधिशेष से घाटे में बदल गया। इस प्रवृत्ति ने बाद में कई राज्यों को प्रभावित किया। हिमाचल प्रदेश में 2022 के चुनाव में कांग्रेस ने पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, वयस्क महिलाओं को 1500 रुपये देने और प्रति परिवार 300 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा किया। सरकार बनने के बाद इन योजनाओं ने पहले से दबावग्रस्त बजट को और कमजोर कर दिया, यहाँ तक कि राज्य को वेतन और ब्याज भुगतान के लिए भी ऋण लेना पड़ रहा है। बिहार में भी हालिया चुनाव के दौरान इसी प्रकार की पहल देखने को मिली। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत राज्य सरकार ने 1.21 करोड़ महिलाओं के खातों में 10,000 रुपये की राशि स्थानांतरित की। एक माह के भीतर लागू की गई यह योजना महिला सशक्तिकरण की बड़ी पहल बताई गई, और कुछ महिलाओं ने इस राशि से छोटे व्यवसाय शुरू भी किए हैं। सरकार ने सफल उद्यम चलाने वाली महिलाओं को 2 लाख रुपये तक सहायता देने की घोषणा की है। राज्य में लगभग 1.40 करोड़ दीदियां स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हैं, इसलिए योजना का दायरा बहुत बड़ा है। बिहार में बेरोजगारी और पलायन बड़ी समस्या है। यदि राज्य स्थानीय स्तर पर पर्याप्त रोजगार अवसर विकसित कर लेता है, तो यह न केवल राज्य बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभकारी होगा। लेकिन बड़ा प्रश्न यह है कि क्या बिहार की आर्थिक स्थिति इतने व्यापक खर्च की अनुमति देती है? कई अन्य राज्यों–जैसे मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश ने भी मुफ्त सुविधाओं वाली योजनाएँ लागू की हैं। तमिलनाडु में तो ऐसी परंपरा बहुत पुरानी है, जहाँ टीवी, लैपटॉप, साइकिल और स्कूटी तक मुफ्त बाँटे गए। इस प्रकार की राजनीति ने राज्यों की वित्तीय स्थिति को कमजोर किया है। आज 15 राज्यों का राजकोषीय घाटा कानूनी सीमा 3 प्रतिशत से ऊपर जा चुका है। हिमाचल प्रदेश में यह 4.7 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 4.2 प्रतिशत और पंजाब में 3.8 प्रतिशत है। वर्ष 2015-16 से 2022-23 के बीच कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है, जबकि सब्सिडी का खर्च लगातार बढ़ाया है। यह स्थिति दीर्घकालीन आर्थिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी चेतावनी दी है कि पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, बिहार और दिल्ली जैसे राज्यों की आर्थिक स्थिति चिंताजनक है। केंद्र सरकार समय-समय पर सहायता तो देती है, परंतु यह व्यवस्था हमेशा नहीं चल सकती।

श्री महावीर कॉलेज में मिलेट्स अवेयरनेस कार्यक्रम का सफल आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर कॉलेज में शुक्रवार, दिनांक 21 नवंबर 2025 को मिलेट्स अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में मिलेट्स के महत्व, संतुलित पोषण, अच्छे स्वास्थ्य तथा सतत जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अजय गुप्ता, रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी थे। मुख्य वक्ताओं में आचार्य अशोक कुमार शर्मा (मिलेट्स क्रांतिकारी आचार्य एवं फार्मर बैंक मैनेजर) और डॉ. पी.एम. भारद्वाज (विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों के पूर्व सीएमडी) शामिल रहे। स्पीकर्स ने छात्रों को मिलेट्स में पाए जाने वाले पोषक तत्वों, इनके स्वास्थ्य लाभों और पर्यावरण-अनुकूल खेती के माध्यम से स्थायी जीवनशैली के निर्माण पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि मिलेट्स न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं बल्कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मानद मंत्री सुनील बख़्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला तथा प्राचार्य डॉ. आशीष गुप्ता ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

-डॉ. आशीष गुप्ता-प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन मंदिर छाबड़ान में ध्वजा चढ़ाई गई

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर छाबड़ान में श्री 1008 पुष्पदंत भगवान के जन्म एव तप कल्याणक के पावन पर्व पर हैदरी परिवार द्वारा ध्वजा चढ़ाई गई। इस अवसर पर प्रेम चंद , शरद कुमार, प्रदीप गंगवाल हैदरी परिवार द्वारा प्रात कालीन अभिषेक शांतिधारा पूजन विधि के साथ छाबडान मंदिर के श्रावक परिवारों द्वारा सहयोग किया गया।

विज्ञा तीर्थ पर पुष्पदंत भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया

गुन्सी विज्ञा तीर्थ क्षेत्र पर आर्यिका सुविधिमति माताजी का मंगल प्रवेश हुआ

निवाई. शाबाश इंडिया। भारत वर्षीय सकल दिगम्बर जैन समाज विज्ञा तीर्थ के तत्वावधान में जैन आर्यिका ज्ञान श्री माताजी के सानिध्य में भगवान पुष्पदंत का जन्म और तप कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने विश्व में शांति की कामना करते हुए भगवान शांतिनाथ की शांतिधारा की। विज्ञा तीर्थ चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष विष्णु बोहरा एवं मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि शुक्रवार को सुबह आचार्य अभिनन्दन सागर महाराज की शिष्या आर्यिका सुविधि मति माताजी का मंगल प्रवेश हुआ मंगल प्रवेश के दौरान कमेटी द्वारा अगुवानी की गई। शुक्रवार को सुबह आर्यिका ज्ञान मति माताजी के निर्देशन में विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा सामूहिक शांतिधारा की गई जिसमें सर्व प्रथम भगवान जिनेन्द्र देव के अभिषेक करने का सौभाग्य दिगम्बर जैन अग्रवाल समाज अध्यक्ष विष्णु बोहरा ओमप्रकाश ललवाडी.विमल पाटनी डब्बू संधी सहित कई श्रद्धालुओं को मिला।

कोटा में 23 नवंबर को ताईक्वांडो सीनियर डिस्ट्रिक्ट ट्रायल आयोजित होगा

कोटा। डिस्ट्रिक्ट ताईक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार व सचिव मनोज कुमार ने बताया कि सीनियर केटेगरी का सेलेक्शन ट्रायल 23 नवंबर को शाम 5 बजे से 7 बजे तक श्रीनाथपुरम स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। यह ट्रायल पूरी तरह निशुल्क रहेगा। खिलाड़ी अपना आधार कार्ड और पासपोर्ट साइज फोटो साथ लेकर आकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। चयनित खिलाड़ी आगामी 30 नवंबर को होने वाले स्टेट ताईक्वांडो टूर्नामेंट में भाग लेने के पात्र होंगे, अलवर में आयोजित होगा।

आगरा में प्रथम बार जिनरचना महोत्सव सम्पन्न

दिव्य मॉडलों ने जीता लोगों का मन

आगरा. शाबाश इंडिया। इच्छापूर्ति श्री 1008 चिन्तामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, एम.के. पुरम, पार्श्वपुरी, पश्चिमपुरी के चतुर्थ स्थापना दिवस के मंगल अवसर पर पार्श्व विद्या पाठशाला द्वारा आयोजित जिनरचना महोत्सव झ जैन मॉडल एग्ज़िबिशन गुरुवार 20 नवंबर 2025 को अत्यंत भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। शाम 6 बजे से 8 बजे तक चले इस विशेष कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। एग्ज़िबिशन में प्रस्तुत किए गए सपनों के दिव्य जिनालय, अष्ट प्रातिहार्य, पंच मेरु, नंदीश्वर द्वीप, तीन लोक रचना, तथा अष्ट मंगल के सूक्ष्म एवं मनोहारी मॉडलों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उपस्थित लोगों ने इस अनोखी आध्यात्मिक प्रस्तुति की सराहना की और इसे अद्वितीय अनुभव बताया। कार्यक्रम अर्हं योग प्रणेता मुनि श्री 108 प्रणम्य सागर जी महामुनिराज आशीर्वाद से एवं सत्येंद्र जैन के निर्देशन में यह कार्यक्रम सानन्द सम्पन्न हुआ । मंदिर समिति तथा पार्श्व उपासक महिला मंडल के सहयोग से आयोजित यह महोत्सव पूरी तरह सफल रहा। समिति ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

लीनेस क्लब जयपुर मैन का सम्मान समारोह सम्पन्न

नई टीम का गठन

जयपुर. शाबाश इंडिया

लीनेस क्लब जयपुर मैन का गुरुवार 20 नवंबर को होटल ब्लू प्लेटो में वर्ष 2025 में क्लब सदस्यों द्वारा किये गये उत्कर्ष विशिष्ट सेवा कार्यों के लिए क्लब के सभी सदस्यों को उपहार, माला दुप्पटा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। क्लब अध्यक्ष ली.रतन सोगानी ने बताया की विशिष्ट सेवा हेतु लता सुरेखा, मंजू गुप्ता ,सरोज रुंगटा, संतोष बंब विजयलक्ष्मी कासलीवाल को सम्मानित किया गया। सच्वि बबिता जैन ने बताया कि सभी पूर्व अध्यक्ष की सर्वसम्मति द्वारा नवगठित टीम ली.विमला शर्मा अध्यक्ष, ली.उषा साबू सचिव, ली.सुमन शर्मा कोषाध्यक्ष एवं सुशील छाबड़ा को सलाहकार चयन किया गया। उपस्थित कई लीनेस बहनो का जन्म दिवस भी धूमधाम से मनाया गया। पीडीपी महादेवी यारी प्रमिला सुहानी शशि सेन ममता जैन अन्य सभी। सदस्यों की गौरव में उपस्थिति रही। संपूर्ण कार्यक्रम का सभी सदस्यों ने आनंद लेते हुए अंत में सुरुचि भोज का रसपान किया।

अध्यक्ष : ली .रतन सोगानी

आज के साधु, कल की परंपरा और जैन समाज की कड़वी सच्चाई

पहले के साधु-संत दुनिया की मोह-माया से दूर रहते थे, उनके कदमों में विरक्ति की सुगंध होती थी और उनके मार्ग में केवल आत्मशुद्धि का दीप जलता था। वे जहां भी रुकते थे, वहां धर्म का सम्मान बढ़ता था, क्योंकि उनकी उपस्थिति का उद्देश्य ही आत्मकल्याण था, न कि भीड़, नाम, दान या दिखावे की होड़। लेकिन आज का दृश्य बदल गया है। समाज के अंदर ऐसे कई लोग सक्रिय हो चुके हैं, जिन्होंने साधु पद को त्याग और तपस्या का नहीं, बल्कि अधिकार और नियंत्रण का माध्यम बना दिया है। यह सच्चाई कड़वी है, मगर इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आज जैन समाज ऐसे साधु-संतों से भर गया है जो धर्म के ठेकेदार की भूमिका में अधिक दिखते हैं। कहीं प्रवचन से ज्यादा सजावट, कैटरिंग और मंच तय किए जा रहे हैं, कहीं त्याग की जगह विहार तक पर राजनीति हो रही है, तो कहीं दानदाताओं की हैसियत देखकर आशीर्वाद का वजन मापा जा रहा है। जो त्यागी संत पहले खड़ाऊँ को भी बोझ मानते थे, आज उनके नाम पर काफिले चलते हैं—गाड़ियां, सोशल मीडिया टीमें, भीड़ जुटाने वाली समितियां और आयोजनों की बोलियाँ तक लगती हैं। सच यह है कि कहीं-कहीं साधु की पहचान अब आध्यात्मिक नहीं, बल्कि कितनी भीड़ खींच सकते हैं इस पैमाने पर तय होती दिखाई देती है। दुखद यह भी है कि जैन समाज खुद इस बदलाव का बड़ा कारण बन गया है। समाज ने तपस्या की जगह तमाशे को महत्व देना शुरू कर दिया, चरित्र की जगह चमक-दमक को प्रधानता दी और त्याग की जगह तामझाम को धर्म मान बैठा। परिणाम यह हुआ कि असली साधुओं की आवाज दबती चली गई और धर्म का व्यापार करने वालों को मंच मिलता गया। आज फिर यह प्रश्न उठ रहा है—क्या साधु-संत बनने का अर्थ त्याग, सत्य, विनय और ब्रह्मचर्य है या आधुनिक चमक-दमक में अपनी पहचान बनाए रखना? क्या धर्म के वाहक वे लोग हैं जो तपस्या से आगे बढ़ते हैं, या वे जो समाज की कमजोरियों का फायदा उठाकर स्वयं को शक्ति-केंद्र बना लेते हैं? जैन समाज को इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार करना ही होगा कि साधु-संघों में शुद्धिकरण की जरूरत है। धर्म की रक्षा तभी होगी जब साधु पुनः अपनी मूल परंपरा—आत्मसंयम, विनय और विरक्ति—की ओर लौटेंगे। और समाज तभी जागेगा जब वह दिखावे और भीड़ की राजनीति छोड़कर उन संतों का सम्मान करेगा जो वास्तव में शुद्धाचार और तप की परंपरा निभा रहे हैं। धर्म ठेकेदारी से कभी नहीं चलता। धर्म तभी जीवित रहता है जब सच बोलने का साहस और सच सुनने की क्षमता समाज में बनी रहे। – **नितिन जैन**

जैन धर्म के नौवें तीर्थंकर पुष्पदंत भगवान का मनाया जन्म तप कल्याणक महोत्सव

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना सहित कस्बे के जिनालयों मे जैन धर्म के नौवें तीर्थंकर पुष्पदंत भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कस्बे के बीचला मंदिर पार्श्वनाथ जिनालय में प्रातः श्री जी का अभिषेक, सामूहिक रूप से महाशांतिधारा करने के बाद अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना कर अनेक पूवार्चार्य एवं तीर्थंकरों के अर्घ्य चढ़ाने के बाद जैन धर्म के नौवें तीर्थंकर पुष्पदंत भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक का जयकारों के साथ सामूहिक रूप से अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में पंडित संतोष बजाज एवं समाज सेवी राजेंद्र मोदी ने बताया कि पुष्पदंत भगवान जैन धर्म के नौवें तीर्थंकर थे, उनका जन्म कांकादी नगर में इक्वाशु वंश के राजा सुग्रीव की पत्नी माता रामा देवी के गर्भ से हुआ था। आर्य देश में विहार करते हुए धर्म प्रभावना बढ़ाते हुए सम्मेद शिखर पर पहुंचकर भाद्र शुक्ला अष्टमी के सभी कर्मों का नाश करते हुए मुक्ति को प्राप्त हो गये।कार्यक्रम में पंडित संतोष बजाज, पंडित कैलाश कडीला , राजेंद्र मोदी,सुरेंद्र चौधरी, राजेंद्र चौधरी, विरेंद्र नला, विमल चौधरी, कमलेश चौधरी, जीतू मोदी,राजाबाबू गोधा तथा संतरा चोधरी, गुणमाला चौधरी, संजू चौधरी, विश्व लता चौधरी, सुनीता चौधरी, सुनीता गिदोंढी, इलायची देवी मोदी, चैना नला,आशा बजाज,आशा मोदी, आशा चोधरी,मंजू चौधरी, सुरभि चौधरी, टीना मोदी,तथा ललिता बजाज सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मौजूद थे।

दिगम्बर जैन सोशल गुलाबीनगर ग्रुप द्वारा फिल्म दिखाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल गुलाबीनगर ग्रुप का मनोरंजन कार्यक्रम दिनाँक 20 नवम्बर'25 , को एंटरटेनमेंट पैराडाइज में अल्पाहार से शुरू हुआ। फेडरेशन के निवर्तमान अध्यक्ष राजेश सीमा बड़जात्या की वैवाहिक वर्षगांठ पर माला पहनाकर स्वागत किया। ग्रुप के परम सरंक्षक अनिल शशि , सरंक्षक सुरेन्द्र मदुर्ला पांड्या, अध्यक्ष सुशीला विनोद बड़जात्या, निवर्तमान अध्यक्ष सुनील सुमन बज , सचिव महावीर मुन्ना देवी पांड्या व सभी उपस्थित सदस्यों ने वैवाहिक वर्षगाँठ की बधाई व शुभकामनाएं दी। ग्रुप के सदस्यों को एंटरटेनमेंट पैराडाइज में ''दे दे प्यार दे -2'' मूवी का फर्स्ट शो दिखाया गया। ग्रुप के सभी सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया व मूवी का भरपूर आनंद लिया। सुशीला बड़जात्या ने कहा कि आज का कार्यक्रम मनोरंजन व पारस्परिक जुड़ाव को बढ़ावा देना है। अध्यक्षा सुशीला बड़जात्या व सचिव महावीर पांड्या ने सभी सदस्यों का कार्यक्रम में सहयोग के लिए धन्यवाद व आभार प्रकट किया।

वर्षों से धर्म की प्रभावना बढ़ाने को लेकर निवाई में

उत्कृष्ट कार्य करने पर टोंक के पवन कंटान का हुआ सम्मान, टोंक के पवन कंटान एवं नीटू छामुनिया ने दीक्षार्थियों की गोद भराई की

टोंक. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज निवाई के तत्वावधान में वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज संघ के सानिध्य में आयोजित बाल ब्रह्मचारी दीक्षार्थी आदीश भैया की गोद भराई कार्यक्रम के तहत अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि नसियां जैन मंदिर पर बिनोली कार्यक्रम में जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा, दिगम्बर जैन अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विष्णु बोहरा, बड़ा जैन मंदिर अध्यक्ष विनोद जैन, मंत्री मोहित चंवरिया, जितेन्द्र जैन राजेन्द्र सेदरिया, महेन्द्र चंवरिया हुकमचंद जैन विमल पाटनी एवं राकेश संधी ने टोंक जैन समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं नीटू छामुनिया का जैन समाज निवाई ने चातुर्मास के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने पर राजस्थानी परम्परा अनुसार साफा पहनाकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। अखिल भारतीय जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि टोंक की प्रतिभा पवन कंटान एवं नीटू छामुनिया को समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्य करने, एवं जैन धर्म की प्रभावना बढ़ाने के लिए सम्मान मिला है। पवन कंटान विगत कई वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देते आ रहे है। पवन कंटान जैन समाज की अनेक पत्र पत्रिकाओं से जुड़े हुए हैं। ये संपूर्ण भारत वर्ष की जैन समाज के लिए गौरव की बात है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

नरेंद्र मोदी विचार मंच की प्रेरणा से मीनू सेवा संस्थान में स्पेशल चाइल्ड बच्चों को पौष्टिक आहार और व्हीलचेयर वितरण

अजमेर. शाबाश इंडिया

21 नवंबर 2025 को जन विकास समिति और लिलियन फाउंडेशन के सहयोग से राजस्थान महिला कल्याण मंडल,चाचियावास (अजमेर) द्वारा स्वास्थ्य एवं सहायता सामग्री वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रूपश्री जैन (प्रदेश अध्यक्ष, नरेंद्र मोदी विचार मंच) एवं समाजसेवी मनोज जैन उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में जेनिश जैन, प्रमेंद्र जैन (श्री दिगंबर जैन सोशल ग्रुप), तरुण शर्मा, ईश्वर शर्मा तथा डॉ. वंदना सिंह ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। रूपश्री जैन ने संस्था से लंबे समय से जुड़े होने पर खुशी जताई और कहा कि संस्थान द्वारा किया जा रहा कार्य समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। जन विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में न्यूट्रीशन सपोर्ट और सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए। अतिनिदेशक तरुण शर्मा ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों तक स्वास्थ्य सहायता और सहायक उपकरण पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल लोगों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं, बल्कि उनके जीवन में आत्मनिर्भरता भी बढ़ाते हैं।

कार्यक्रम की प्रमुख उपलब्धिया

लगभग 24 दिव्या-लाभार्थियों को न्यूट्रीशन पैकेट वितरित किए गए, जिनमें पौष्टिक खाद्यान्न, प्रोटीन सप्लीमेंट और आवश्यक विटामिन शामिल थे। 4 दिव्यांगजन को व्हीलचेयर प्रदान की गई, जिससे उनकी दैनिक दिनचर्या को आसान बनाने में मदद मिलेगी। लाभार्थियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की सहायता उनके जीवन में नया आत्मविश्वास और उम्मीद लाती है। अंत में देवाराम (कार्यकर्ता) ने अतिथियों का आभार प्रदर्शन कर कार्यक्रम का समापन किया। राजकुमार सुनारीवाल का इस आयोजन में विशेष सहयोग रहा। यह कार्यक्रम वास्तव में सहयोग, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का सुंदर उदाहरण बना।

इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ का सेवा और सम्मान संकल्प आवश्यक सामग्री भेंट कर निभाया सामाजिक दायित्व

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। सेवा, सम्मान और सामुदायिक उत्थान के अपने निरंतर संकल्प के तहत इनरव्हील क्लब ऑफ कोटा नॉर्थ द्वारा एक संयुक्त कल्याणकारी पहल के अंतर्गत तेजस्वनी बालिका गृह (रंगबाड़ी, कोटा), विनोबा भावे नगर की महिलाओं हेतु वयस्क शिक्षा कार्यक्रम, तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ब्रजराजपुरा कोटा सहित तीनों स्थानों पर आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। इस पहल के अंतर्गत क्लब ने छह उच्च गुणवत्ता वाले फ़्लोर मैट एक साथ भेंट किए, जिन्हें सभी स्थानों पर बच्चों, महिलाओं और विद्यार्थियों की दैनिक सुविधा, स्वच्छता और उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए वितरित किया गया। क्लब की यह संवेदनशील और गरिमापूर्ण पहल समाज के विभिन्न वर्गों में सहयोग, सम्मान और मानवीय संवेदना फैलाने की निरंतरता को दर्शाती है। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रमिला पारीक, सचिव रजनी अरोरा, सरोज गुप्ता, सरिता भूटानी तथा क्लब के अन्य समर्पित एवं उत्साही सदस्य उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान की।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां पूर्ण मुकेश जैन लार

25 नवंबर को तरुण मित्र परिषद दिल्ली द्वारा दिव्यांग शिविर

बड़ागांव धसान. शाबाश इंडिया

जनकल्याण तीर्थ टीकमगढ़ रोड बड़ागांव में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। यह आयोजन आचार्य श्री उदार सागर महाराज एवं मुनि श्री उपशांत सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में 23 नवंबर से 30 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। जनकल्याण क्षेत्र पर सहस्त्रकूट जिनालय एवं मुनि श्री सुव्रतनाथ भगवान भगवान की 21फीट पाषांण पद्मासन प्रतिमा विराजमान है।भव्य जिनालय की प्राण प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव सहित विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन में बाल ब्रह्मचारी पंडित जय निशांत जी, पंडित सनत कुमार जी, पंडित विनोद कुमार जी, पंडित संजय सरस, पंडित मनीष जैन खरगापुर के द्वारा समस्त धार्मिक क्रियाऐआयोजित की जाएंगी। एडवोकेट प्रभात जैन ने बताया की आयोजन 23 नवंबर को घट यात्रा गर्भकल्याणक, 24 नवंबर को गर्भकल्याणक राजा नाभी राय दरबार, 25 नवंबर को जन्म कल्याणक आदि कुमार का पालना, 26 नवंबर को तप कल्याणक, 27 नवंबर को तप कल्याणक रात्रि विल्सन जादूगर केरल का मायाजाल, 28 नवंबर ज्ञान कल्याणक रात्रि भजन संध्या, 29 नवंबर को ज्ञान कल्याणक रात्रि विराट कवि सम्मेलन, 30 नवंबर को मोक्ष कल्याणक मुनी सुब्रत नाथ भगवान का महामस्तका अभिषेक।

25 नवंबर को आयोजित दिव्यांग शिविर

तरुण मित्र परिषद दिल्ली द्वारा दिव्यांग कैंप लगाया जा रहा है जिसमें दिव्यांगों को कृत्रिम अंग पोलियो ग्रस्त बच्चों को कैलीपर्स, आथोर्शूज, श्रवण हीन बुजुर्गों को श्रवण यंत्र प्रदान किए जाएंगे। यह कैंप सरवन मित्र परिषद का 62 वा कैंप आयोजित किया जा रहा है।

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल का आओ खुशियां बाँटे अभियान अन्नकूट एवं दीपावली मिलन समारोह आयोजित

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। लायंस क्लब कोटा सेन्ट्रल के खुशियाँ बाँटे अभियान के तहत अन्नकूट और दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन बी पी मीणा और सेक्रेटरी राजकुमार गुप्ता ने बताया कि क्लब की मासिक सभा के अंतर्गत स्नेह मिलन, भजन संध्या और स्व निर्मित 56 भोग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक शी शक्ति डीसी मधु ललित बाहेती और कृष्णा गुप्ता ने बताया कि 56 भोग का प्रसाद सभी सदस्यों ने घर की बनी सामग्री से लगाया और श्रीनाथ जी की सुंदर झांकी सजाई गई। भजन भक्ति गीतों के संयोजक लायन अशोक लखोटिया, लायन रामकृष्ण बागला ने सभी को भजनामृत का पान करवाया पी डी जी विशाल माहेश्वरी ने क्लब गतिविधियों की सराहना करते हुए मोटिवेट किया।

भक्ति भाव से मनाया जैन धर्म के 9 वें तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत नाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस

दिगम्बर जैन मंदिरों में हुऐ पूजा अर्चना के विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 9वें तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत नाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव शुक्रवार, 21 नवम्बर को भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि प्रातः भगवान पुष्पदंत नाथ के अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से श्री जी की पूजा अर्चना की गई। पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ जन्म कल्याणक श्लोक " मंगसिर सितपच्छं परिवा स्वच्छं, जनमें तीरथनाथाजी। तब ही चवभेवा निरजर येवा, आय नये निजमाथाजी।। सुरगिरिनहवाये मंगल गाये, पूजे प्रीति लगाई जी। मैं पूजौं ध्यावौं भगति बढावौं, निजनिधि हेतु सहाई जी ।। " का उच्चारण करते हुए जन्म कल्याणक अर्घ्य चढाया गया। इसी तरह से तप कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए तप कल्याणक अर्घ्य चढाया गया। भगवान पुष्प दंत नाथ की महाआरती के बाद समापन हुआ। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार मुख्य आयोजन चार दीवारी स्थित प्राचीन जिनालय दिगम्बर जैन मंदिर जी छाबड़ान-मनिहारो का रास्ता में प्रबन्धकारिणी समिति के मंत्री प्रद्युम्न पाटनी के नेतृत्व में किया गया। प्रातःकाल 7.30 बजे पंचामृत अभिषेक, शांति धारा, नित्य नियम पूजा व पुष्पदंत भगवान की विशेष पूजा की गई। तत्पश्चात मंदिरजी के ऊपर छत पर ध्वजा परिवर्तन किया गया। समाजश्रेष्ठी प्रेम चन्द, शरद एवं परिजनों द्वारा ध्वजा शुद्धिकरण व ध्वजा पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ तत्पश्चात जयकारों के बीच ध्वजा परिवर्तन की गई। इस मौके पर मंदिर समिति के मंत्री प्रद्युम्न पाटनी, कोषाध्यक्ष अजय बोहरा, मनोज ठोलिया सहित बडी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए। श्री जैन के मुताबिक सांगानेर थाना सर्किल पर स्थित चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में भगवान पुष्प दंत नाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया। श्री जैन के मुताबिक संघीजी मंदिर सांगानेर, आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, सूर्य नगर तारों की कूट, सहित कई मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन हुए।

समाजसेवी एवं गौभक्त नवीन भंडारी ने सादगी और सेवा के साथ मनाया जन्मदिन

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम गोभक्त एवं समाजसेवी नवीन कुमार भंडारी, ट्रस्टी श्री राम आशापूर्ण चैरिटेबल ट्रस्ट, ने अपना जन्मदिन इस वर्ष भी अत्यंत सादगी, संयम और सेवा भाव के साथ अपने निवास पर मनाया। गौसेवा और वृक्षारोपण के साथ दिन की पवित्र शुरूआत। अपने जन्मदिन की शुरूआत उन्होंने पिंजरा पोल गौशाला में गौ माता की सेवा कर की। इसके बाद उन्होंने वृक्षारोपण कर प्रकृति के प्रति आभार प्रकट किया। नवीन भंडारी ने कहा कि जन्मदिन सेवा, संस्कार और समाज के लिए कुछ सकारात्मक करने का दिन होना चाहिए। शुभकामनाओं का सिलसिला पूरे दिन चलता रहा। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ा, उनके निवास स्थान पर शुभकामनाएँ देने वालों का तांता लगा रहा। सैकड़ों की संख्या में लोग – समाज के विभिन्न वर्गों से, धार्मिक संगठनों से, राजनीतिक कार्यकर्ताओं से लेकर स्थानीय नागरिकों तक – पूरे दिन उन्हें बधाई देने पहुँचते रहे। हर आगंतुक का उन्होंने मुस्कान और सादगी से स्वागत किया, जो उनकी सहज और विनम्र कार्यशैली की पहचान है। नवीन भंडारी का जन्मदिन बिना किसी दिखावे के, पूर्णतः सेवा और कृतज्ञता पर आधारित रहा। उनका यह सादगीपूर्ण जन्मदिन समाज में एक संदेश देता है कि उत्सव वही है, जिसमें विनम्रता, सेवा और पर्यावरण के प्रति सम्मान शामिल हो।

कवि हृदय विकर्ष शास्त्री जी को 'ज्ञानार्ष विद्वत रत्न' से सम्मानित किया गया

रानीला. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री 108 ज्ञान सागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद से तथा उनकी परम प्रभावक शिष्या गणनी आर्यिका 105 आर्षमति माताजी के मंगल सान्निध्य में रानीला जी अतिशय क्षेत्र में आयोजित जैन प्रतिभा सम्मान समारोह भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन के मुख्य आकर्षण रहे कवि हृदय विकर्ष शास्त्री, जिन्होंने अपने अद्भुत मंच संचालन, कुशल निर्देशन और ओजस्वी व्यक्तित्व से संपूर्ण कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। अखिल भारतीय ज्ञानार्ष भक्त परिवार एवं आदिनाथपुरम रानीला ट्रस्ट द्वारा उनकी विशिष्ट सेवाओं, साहित्यिक प्रतिभा, विद्वत्ता और उत्कृष्ट संचालन को देखते हुए उन्हें 'ज्ञानार्ष विद्वत रत्न' अलंकरण से सम्मानित किया गया। कवि हृदय विकर्ष शास्त्री जी आज जैन समाज के चर्चित बहुमुखी प्रतिभा संपन्न युवा विद्वानों में अग्रणी स्थान रखते हैं। उनकी प्रभावी वाणी, सहज अभिव्यक्ति और सृजनशीलता ने उन्हें समाज में विशेष प्रतिष्ठा दिलाई है।

गुलाबी नगरी जयपुर के दुगार्पुरा की पावन धरा पर सुनीता दीदी जैनेश्वरी दीक्षा के पश्चात बनी आर्यिका श्री 105 निश्चयमती माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा में विराजमान परमपूज्य गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वती माताजी द्वारा सुनिता दीदी का जैनेश्वरी दीक्षा के पश्चात आर्यिका श्री 105 निश्चयमती माताजी नाम करण करते ही बड़े हर्ष के साथ परिसर जय जयकार से गुंजायमान हो गयो मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड, एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि भव्य जैनेश्वरी दीक्षा का मुख्य कार्यक्रम 21 नवम्बर को प्रातः 4.30 बजे ब्रह्मचारिणी सुनीता दीदी की केशलोंच से प्रारंभ हुआ। प्रातः 7 बजे अभिषेक शांतिधारा के पश्चात मंगलाचरण महिला मंडल की सदस्याओं ने प्रस्तुत किया। परमपरागत आचार्यों के बड़े भक्ति भाव से अर्घ्य सतेन्द्र पांड्या, सुनील संगही, नरेश बाकलीवाल, विमल गंगवाल, जय कुमार जैन के साथ ट्रस्टीजन,अध्यक्ष रेखा लुहाड़िया मंत्री रानी सोगानी के साथ महिला मंडल, गणधरवलय विधान के इन्द्र इन्द्राणी, दीक्षार्थी के परिवारजन, दुर्गापुरा जैन समाज के पुरुष, महिलाओं ने समर्पित किये, आर्यिका संघ को ब्रह्मचारिणी दीदियों ने अर्घ्य समर्पित किया। कार्यक्रम में दीक्षार्थी को अठ्ठाइस महाव्रती के नियम देकर मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर किया। निश्चयमती माताजी को पिच्छिका एवम् कमण्डलु भेंट महेन्द्र कुमार जी शीला जी जैन, शास्त्र भेंट पुष्पा जी धर्म पत्नी स्वर्गीय हरक चंद जी शिलांग निवासी, वस्त्र भेंट सुधा जी लोकेश जी लुहाड़िया, पंचमुष्ठी केशलोंच के केश लेने का डॉ मोहन लाल शांति देवी मणि, जप माला देने का सुरबाला जी मोनिका जी ने पाद प्रक्षालन हर्ष चंद मनोज कुमार सोगानी ने कर पुण्यार्जन किया। कार्यक्रम के भोजन पुण्यार्जक प्रवीण कुमार पांड्या बनारस वाले थे। प्रतिष्ठाचार्य पं विमल सोगानी संगीतकार आकाश जैन ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। कार्यक्रम में मनीष वैद, विनोद कोटखावदा, राकेश गोदीका सहित गणमान्य उपस्थित रहे।

संगिनी फॉरएवर ग्रुप द्वारा भव्य गेट टू गेदर कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर द्वारा 21 नवंबर शनिवार को होटल किबाना बैंक्विट में दोपहर 2:00 बजे से 6:00 बजे तक एक भव्य एवं मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 70 संगिनी सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसका सौभाग्य श्रीमती अनीता दीवान और किरण जैन को प्राप्त हुआ। पूरे आयोजन में शानदार व्यंजन, मस्तीभरा संगीत, खेल, हंसी और उत्साह का अद्भुत माहौल रहा। नए सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया गया तथा नए मेंबर लेकर आने वाली सदस्याओं को आकर्षक उपहार आगामी कार्यक्रम में प्रदान किए जाने की घोषणा की गई। खेल प्रतियोगिता में मीना चांदवाड़ और निशा जैन विजेता रहीं, वहीं ह्ररिश्तों परह्न प्रस्तुत सुंदर डांस परफॉर्मेंस में अरुणा जैन और इलायची बाकी वाला ने सभी का मन मोह लिया। म्यूजिकल प्रोग्राम एवं एंकरिंग की शानदार प्रस्तुति श्रीमती सुनीता गंगवाल ने दी, जिनके संचलन से कार्यक्रम और भी प्रभावशाली बना। अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर माह के जन्मदिवस एवं एनिवर्सरी सेलिब्रेशन हेतु केक की प्रायोजक श्रीमती स्नेह लता जैन रहीं, जबकि आगामी पुरस्कारों की घोषणा सरोज जैन द्वारा की गई। खेलों के सफल संयोजन में हाऊजी संयोजक श्रीमती बबीता जैन एवं श्रीमती शीला जैन तथा खेल संयोजन में श्रीमती अर्चना जैन और श्रीमती उर्मिला जैन का विशेष योगदान रहा। इस पूरे सफल आयोजन में अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका, सचिव सुनीता गंगवाल, कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन तथा कार्यकारिणी सदस्य शीला सेठी, अलका जैन, अर्चना जैन, अनीता जैन, चित्रा जैन, बीना शाह, बबिता जैन, मधु पांड्या, मीनाक्षी जैन, अंजना शास्त्री और सरोज जैन का महत्वपूर्ण योगदान सराहनीय रहा। अंत में अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका ने सभी सदस्याओं का तहेदिल से आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल की पहल पर बीकानेर में आयोजित होगी

'वेदांता टूर डी थार' अंतर्राष्ट्रीय साइकिल रैली

कई देशों के साइकिल धावक होंगे शामिल, पर्यावरण संरक्षण, कार्बन एमिशन, थार सस्टेनेबिलिटी, आरोग्य, खेल और पर्यटन विकास होगा मुख्य ध्येय

जयपुर. कासं

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की पहल पर बीकानेर में पहली बार 100 और 200 किमी लंबी 'वेदांता टूर डी थार' अंतर्राष्ट्रीय साइकिल रैली का आयोजन 23 नवम्बर को प्रातः 6.30 बजे से होगा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इससे जुड़ी जानकारी दी। मेघवाल ने बताया कि वर्तमान समय में फ्रांस में 'टूर डी फ्रांस' के साइक्लिंग का अंतर्राष्ट्रीय इवेंट होता है। इसी तर्ज पर बीकानेर में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय स्तर की साइकिल रैली 'वेदांता टूर डी थार' का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सांसद खेल महोत्सव-2025' के निर्देशानुसार युवा मामले और खेल मंत्रालय के फिट इंडिया के सहयोग व साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के तकनीकी सहयोग से किया जा रहा है। केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि इसकी शुरूआत प्रातः 8.15 बजे भारतमाला एक्सप्रेस वे पर यह होगी। यह नौरंगदेसर से देसलसर तक 50 किलोमीटर की दूरी में आयोजित की जाएगी। रैली के दौरान भारतमाला की एक साइड की 50 किमी की दूरी को पूरी तरह से ट्रैफिक फ्री रखा जाएगा। मेघवाल ने बताया कि ग्लोबल हैप्पीनेस फाउंडेशन की ओर से प्रायोजित इस साइकिल रैली में भारत के विभिन्न राज्यों के साथ साथ फ्रांस व जर्मनी के साइक्लिस्ट हिस्सा लेंगे। यह पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन नक्शे पर बीकानेर को नई पहचान दिलाएगी। इससे फिट इंडिया का संदेश जाएगा। साइक्लिंग को भी प्रोत्साहन मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि रैली में फ्रांस, स्विट्जरलैंड और सिंगापुर समेत देश के विभिन्न राज्यों के 750 से अधिक साइकिल धावक भागीदारी निभाएंगे। इसमें बीकानेर जिले के भी लगभग 250 साइक्लिस्ट शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पंजीकरण ऑनलाइन माध्यम से किया गया। हिस्सा लेने वालों में 662 पुरुष और 124 महिलाएं हैं। जिनमें 16 वर्ष से लेकर 69 वर्ष आयु तक के प्रतिभागी शामिल हैं। मेघवाल ने बताया यह साइकिल रैली 100 और 200 किलोमीटर की श्रेणियों में होगी।

पहली बार 100 और 200 किमी लंबी 'वेदांता टूर डी थार' अंतर्राष्ट्रीय साइकिल रैली का आयोजन 23 नवम्बर को प्रातः 6.30 बजे से होगा।

27 लाख रुपए के पुरस्कार दिए जाएंगे

मेघवाल ने बताया कि रैली में कुल 27 लाख रुपए के पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रोफेशनल इलीट वर्ग में टॉप 10 पुरस्कार में क्रमशः सवा लाख, 90 हजार, 75 हजार, 60 हजार, 50 हजार, 40 हजार, 35 हजार, 30 हजार, 20 हजार, 15 हजार के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। मेघवाल ने बताया कि 100 किलोमीटर सोलो एमेच्योर ग्रुप पुरस्कारों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वालों को क्रमशः 70 हजार, 55 हजार और 45 हजार का पुरस्कार व विभिन्न आयुवर्गों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 40 हजार, 30 हजार और 25 हजार के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। रैली का पुरस्कार वितरण समारोह रायसर स्थित भाटी डेजर्ट में 23 नवंबर को सायं 6 बजे आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन होगा।